''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' पर व्याख्यानमाला का पालन प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय का नाम	–	आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर
कार्यक्रम का शीर्षक	–	''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' पर व्याख्यानमाला
दिनांक	–	5 अगस्त 2025
समय	–	दोपहर 3:00 बजे से
स्थान	–	विश्वविद्यालय सभागार कक्ष, शैक्षणिक ब्लॉक–2
मुख्य वक्ता	–	प्रो.(डॉ.) व्यास दुबे, अकादमिक सदस्य छ.ग. निजी वि.वि. विनियामक आयोग, नवा रायपुर

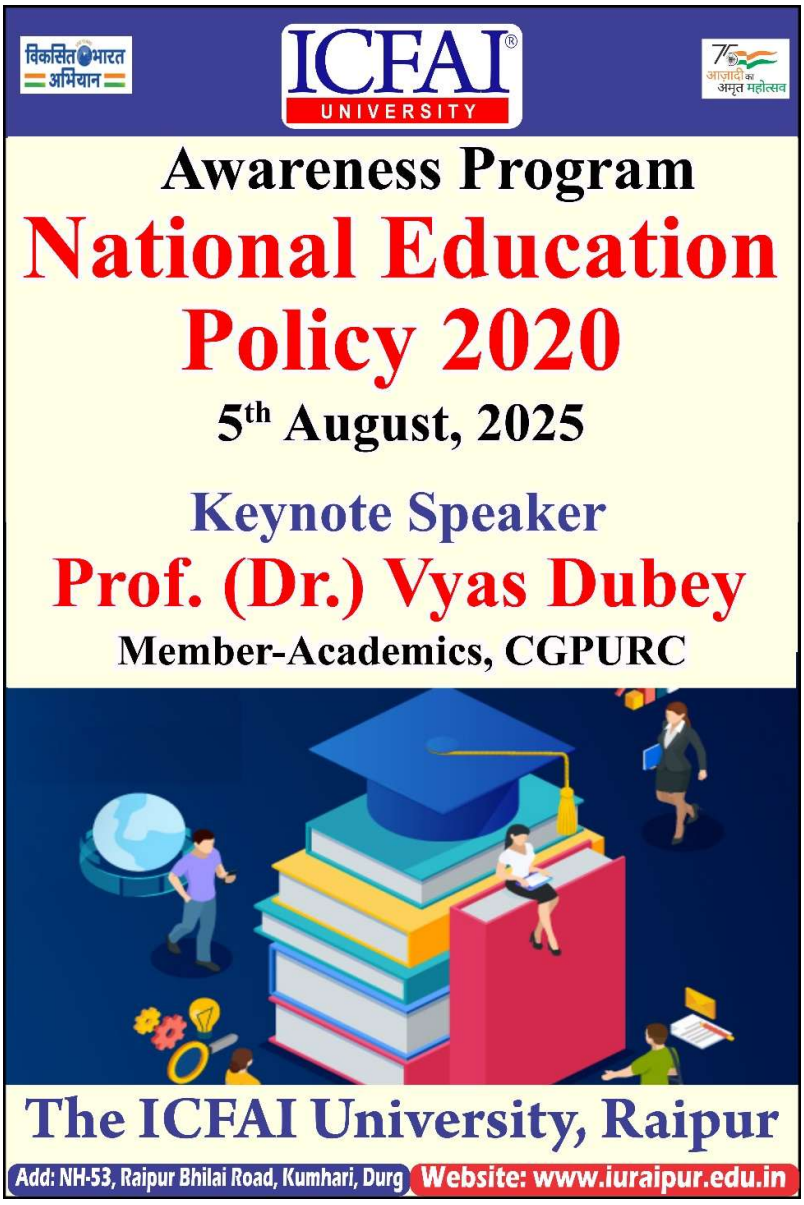

उद्घाटन सत्र : कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो.(डॉ.) एस.डी. पाण्डेय ने की। पुष्पगुच्छ से मुख्य वक्ता का स्वागत किया गया एवं विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' शिक्षा जगत में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की दिशा में अग्रसर है, यह न केवल छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

अतिथि व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो.(डॉ.) व्यास दुबे ने अपने वक्तव्य में आई.सी.एफ.ए. आई. विश्वविद्यालय, रायपुर के समस्त शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावों से अवगत कराया एवं अनेक जानकारियां साझा किये विवरण अग्रानुसार है–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य : भारत की शिक्षा प्रणाली को समग्र, नवाचार, लचीलापन, कौशल–आधारित शिक्षा, मातृभाषा के महत्व को प्राथमिकता, समावेशी और 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाना है, इसका उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि समझने, विश्लेषण करने और नवाचार की क्षमता को विकसित करना।

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिवर्तित हो रही है। यह नीति अंतःविषय अध्ययन को प्रोत्साहित करने, नवीन विषयों की पेशकश करने और छात्रों को नए अवसरों और लचीले पाठ्यक्रम विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने पर जोर देती है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा क्षेत्र के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ावा (जीईआर), विभिन्न प्रवेश और निकास बिंदु प्रदान करना, तथा विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुरूप सर्वोत्तम कक्षाएं चुनने की सुविधा प्रदान करना है। नीति में एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, एक राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच और देश भर में और अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना का आह्वान किया गया है। नीति का लक्ष्य एक व्यापक, अनुकूलनीय शिक्षा प्रणाली विकसित करना है जो 21वीं सदी की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

<u>उच्च शिक्षा के लिए NEP 2020 की मुख्य विशेषताएं :</u>

- अंतर्राष्ट्रीयकरण
- वर्ष 2035 तक जीईआर को 50% तक बढ़ाना
- समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा
- स्वायत्तता और जवाबदेही
- समावेशिता और समानता
- अनुसंधान और नवाचार
- पाठ्यक्रम लचीलापन और क्रेडिट हस्तांतरण
- शिक्षणअधिगम प्रक्रिया का डिजिटलीकरण-

- 'यूजीसी' और 'एआईसीटीई' का विघटन
- कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा
- छात्रों की सहायता के लिए वित्तीय सहायता
- भारतीय भाषाओं के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन
- शिक्षा में प्रौद्योगिकी
- तर्कसंगत शिक्षा वास्तुकला
- व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना

प्रो. व्यास दुबे द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जैसे:

- समावेशी एवं बहु-विषयी शिक्षा प्रणाली
- मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा का महत्व
- उच्च शिक्षा में लचीलापन
- अनुसंधान और नवाचार पर बल
- डिजिटल शिक्षा और तकनीकी समावेशन

यूजी पाठ्यक्रमों के लिए एनईपी 2020 : एनईपी में कहा गया है कि स्नातक छात्र अब विभिन्न प्रकार के प्रोग्राम के मध्य में अंतराल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, कोई छात्र पहले वर्ष के बाद ही कार्यक्रम से हटकर प्रमाणपत्र प्राप्त करने का विकल्प चुन सकता है। यदि वे दूसरे वर्ष के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं, तो वे दो साल संस्थान में बिताकर एडवांस्ड डिप्लोमा प्राप्त कर चुके होंगे। तीसरे वर्ष के पूरा होने पर उन्हें बैचलर डिग्री और चौथे वर्ष के पूरा होने पर बैचलर ऑफ रिसर्च की डिग्री प्रदान की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीयकरण –

1. विदेशी छात्रों को आकर्षित करना
   - भारत को एक आकर्षक शैक्षिक गंतव्य (Education Hub) बनाने की योजना है।
   - इसके तहत Study in India कार्यक्रम को और मज़बूत किया जाएगा।
2. छात्र और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम
   - भारतीय और विदेशी संस्थानों के बीच छात्र, शिक्षक, और शोधार्थी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाएगा।
   - इससे वैश्विक अनुभव और विविधता मिलेगी।
3. अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समझौते
   - उच्च शिक्षा संस्थानों को विदेशी संस्थाओं के साथ समझौते करने और संयुक्त डिग्री प्रोग्राम शुरू करने की अनुमति दी गई है।
4. पाठ्यक्रम का वैश्वीकरण
   - पाठ्यक्रमों को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा कि वे वैश्विक मानकों पर खरे उतरें, लेकिन साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा को भी समाहित करें।

<u>समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा</u> छात्रों को अपनी इच्छानुसार सीखने में मदद करने के लिए नई नीति में एक समग्र और बहुविषयक स्नातक शिक्षा दृष्टिकोण पे-श किया गया है। यह छात्रों को बहुविषयक - विषयों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ जोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।

स्वायत्तता और जवाबदेही उच्च शिक्षा की क्षमता और प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए एनईपी 2020 अधिक संस्थागत स्वायत्तता और निर्णय लेने के विकेंद्रीकरण का सुझाव देती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि संस्थान गुणवत्ता मानकों को बनाए रखें रणनीति जवाबदेही, पारदर्शिता और नियामक प्रणालियों के महत्व को भी रेखांकित करती है।

प्रश्नोत्तर सत्र : विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' से संबंधित प्रश्न किये जिनका मुख्य वक्ता प्रो. दुबे द्वारा संतोषजनक जवाब दिया गया।

धन्यवाद ज्ञापन : इस सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यानमाला के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.(डॉ.) मनीष उपाध्याय द्वारा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया गया, उन्होंने सर्वप्रथम ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' अतिथि व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो.(डॉ.) व्यास दुबे जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किये जिन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विविध पक्षों को अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी ढंग से जानकारियां साझा किये एवं आपके अनुभव एवं दृष्टिकोण ने न केवल शिक्षकों को प्ररित किया, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर भी शिक्षा के प्रति एक नई सोच और जागरूकता का संचार किया है। कुलसचिव प्रो. उपाध्याय ने कुलपति महोदय प्रो.(डॉ.) एस.डी. पाण्डेय का आभार प्रकट किये जिनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से यह कार्यक्रम संभव हो सका।

मुख्य निष्कर्ष :

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवाचार, गुणवत्ता, समावेशिता और लचीलापन को केंद्र में रखती है।
- निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- आईसीएफएआई विश्वविद्यालय इस दिशा में प्रतिबद्ध है।

कुलसचिव
दि आई.सी.एफ.ए.आई.विश्वविद्यालय रायपुर